



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 32]
No. 32]

नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 24, 1985/पौष 3, 1907
NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 24, 1985/PAUSA 3, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कार्यालय महायुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब

(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं. आई. ए. सी. / एम्यू. / 3/एस आर -3/3—85/2566 ए.—

अतः मुझे सुनील चौपड़ा, आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 'बाजार मूल्य' 1,00,000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या प्रो. नं. 40, डब्ल्यू-जैड-53, है तथा जो प्रताप नगर, ब्राम-निहाड, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिलक्ष्य अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लब्ध बाका गन्ना प्रतिफल

निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तराल के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयुक्त अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयुक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनों के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था कि या जाना जाहिष् जा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, 5 उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1 श्रीमती बलविन्द कौर,
निवासी-बी/50, कृष्णा पार्क
नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. सरदार स्वर्ण सिंह
(अन्तर्गता)
पुत्र श्री दिलीप सिंह,
निवासी सी-3/डी लाजपत नगर,
नई दिल्ली

को यह सूचना जिरा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—

इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो नम्बरा 40, डब्ल्यू-53, प्रताप नगर ग्राम तिहाड़, नई दिल्ली, तलादी-151-1/4, बर्ग गज,

तारीख 18-12-1985

मोहर .

सुनील चोपड़ा, सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त.

(निरीक्षण) अर्जन रेंज-3,

दिल्ली, नई दिल्ली-110002

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE III

Notice under section 269D(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 18th December, 1985

Ref. No. IAC|Acq. III|RS-III|3-85|2566A.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (herein after referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and being No. 40, WZ-53, Pratap Nagar, Vill. Tihar, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- Smt. Balvinder Kaur D/o Shri Sadhu Singh, B-50, Krishna Park, New Delhi.
(Transferor)
- S. Swaran Singh, S/o Dalip Singh, r/o. C-3/D, Lajpat Nagar, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- by any other person interested in the official Gazette ;

Explanation.—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property No. 40, WZ-53, Pratap Nagar Village Tihar, New Delhi, measuring 151 1/4 sq. yds.

SUNIL CHOPRA, Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax) Acquisition Range III
Delhi/New Delhi.

Date : 18-12-1985.

Seal :